इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूजलेटर प्रति माह 40/ रुपए
(आईएसओ 9001 : 2015 द्वारा प्रमाणित)

व्यावसायिक
उत्कृष्टता के
प्रति प्रतिबद्ध

आईआईबीएफ विजन

खंड : 10 अंक : 10 मई 2018 पृष्ठों की संख्या 16

विजन : बैंकिंग और वित्त के क्षेत्र में सक्षम व्यावसायिक शिक्षित एवं विकसित करना।

मिशन : प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।

इस अंक में

मुख्य घटनाएँ ----------2
बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ----------4
विनियामकों के कथन----------5
नयी नियुक्तियाँ----------6
विदेशी मुद्रा **----------6**
उत्पाद एवं गठजोड़ ----------7
शब्दावली ----------8
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ----------8
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां ----------9
संस्थान समाचार ----------9
नयी पहलकदमी ---------- 13
बाजार की खबरें ----------14

इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों/ मीडिया में प्रकाशित हो चुकी/चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की/ किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना/समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित/उल्लिखित घटनाएँ संबन्धित स्रोत द्वारा यथा-अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों/घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सच्चाई अथवा यथार्थता अथवा अन्यथा के लिए किसी भी प्रकार से न तो उत्तरदाई है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।

मुख्य घटनाएँ

भारतीय रिजर्व बैंक का पहला द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

मौद्रिक नीति समिति की 2018-19 की पहली बैठक 4 अप्रैल और 5 अप्रैल, 2018 को आयोजित की गई। मुख्य विशेषताएँ निम्नानुसार हैं :

- न्यूनतम (बेंचमार्क) पुनर्खरीद (repo) दर 6% पर अपरिवर्तित रही।
- प्रति-पुनर्खरीद (reverse repo) दर 5.75% पर तथा बैंक दर 6.25% पर कायम रही।
- वैश्विक मांग में सुधार से निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक को भारत में सभी भुगतान आंकडों की दरकार

यह कहते हुए कि वर्तमान में देश के केवल कुछेक भुगतान प्रणाली प्रचालक और उनके बाह्य स्रोत उपयोगकर्ता भागीदार ही भुगतान प्रणाली के आंकड़ों को या तो आंशिक रूप से या फिर पूरी तरह भंडारित करते हैं, भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत में कार्यरत सभी भुगतान प्रणाली प्रचालकों से भारत के भीतर वाले आंकड़ों को भंडारित करने की प्रणाली अपनाने के लिए कहा है। इस मुहिम से भुगतान से संबन्धित सभी आंकड़ों तक पर्यवेक्षी उद्देश्यों से अबाधित पहुँच हो सकेगी। प्रचालकों को यह परिवर्तन लाने के लिए

छह माह का समय दिया गया है, भारतीय रिजर्व बैंक को इसके अनुपालन की रिपोर्ट अधिकतम 15 अक्तूबर, 2018 तक दी जानी होगी।

बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक के निदेश : आभासी (वर्चुअल) मुद्रा व्यापारियों को सेवाएँ देना बंद करें

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों सहित सभी विनियमित संस्थाओं को बिटकोस जैसी आभासी (वर्चुअल) मुद्राओं का लेनदेन करने वाले व्यवसायों को कोई सेवा न प्रदान करने का निदेश दिया है। इस प्रकार की सेवाएँ पहले से प्रदान करने वाली संस्थाओं को उनके कार्यकलापों को बंद करने के लिए तीन महीने दिये गए हैं। इस मुहिम का उद्देश्य उपभोक्ताओं के हित को संरक्षित करना तथा काले धन को वैध बनाने (धन-शोधन) पर रोक लगाना है।

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा इंड लेखांकन मानक 115 का स्वागत

राजस्व निर्धारण के उद्देश्य से लागू किए जाने हेतु राजस्व निर्धारण, मापन और प्रकटन के एक व्यापक एवं सुदृढ़ ढांचे के साथ प्रस्तावित इंड 115 लेखांकन मानक नामक एक नये लेखांकन मानक की व्यवस्था किए जाने के कार्य का भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (ICAI) द्वारा स्वागत किया गया है। इंड 115 लेखांकन मानक का उद्देश्य संस्थाओं/कंपनियों के लिए वित्तीय सूचना के प्रयोक्ताओं को किसी ग्राहक के साथ संविदा से उद्भूत होने वाले राजस्व और नकदी प्रवाहों के स्वरूप, रकम सामयिकता और अनिश्चितता के बारे में सूचना देने हेतु प्रयोग करने के लिए एक सिद्धान्त प्रवर्तित करना है।

निक्षेपागार भारतीय फ़र्मों में एफपीआई सीमाओं पर निगरानी रखेंगे : सेबी

बाजार विनियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश सीमाओं पर निगरानी रखने के लिए निक्षेपागारों (Depositories) के लिए एक नयी प्रणाली प्रारम्भ की है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कंपनियाँ विदेशी निवेश की सीमाओं का पालन करें इसकी रूपरेखा का प्रारूप भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से तैयार किया गया है। नयी प्रणाली के अधीन निक्षेपागारों के लिए शेयर

बाज़ारों को अभिज्ञात शेयर के लिए जांच-बिन्दु सक्रिय किए जाने के बारे में सूचित करना आवश्यक है।

विदेशी सरकार, संबन्धित संस्थाओं/कंपनियों की निवेश सीमाओं को सम्मिलित करें : सेबी

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने यह घोषणा की है कि किसी सूचीबद्ध भारतीय कंपनी में 10% की निवेश सीमा के लिए एक ही अधिकार क्षेत्र वाली दो या उससे अधिक विदेशी सरकार/रों और उनसे संबन्धित संस्थाओं/कंपनियों को एकल विदेशी पोर्टफोलियो निवेश माना जाएगा। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि विभिन्न हितधारक इस मुद्दे पर मार्गदर्शन मांग रहे थे।

बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को पिछली 4 तिमाहियों की एमटीएम हानियों के लिए प्रावधान करने की अनुमति दी

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को पिछली 4 तिमाहियों से बिक्री के लिए उपलब्ध (AFS) और व्यापार के लिए धारित (HFT) श्रेणियों में समान रूप से निवेशों पर प्रतिभूतियों को बाजार भाव पर दर्शाये जाने (mark to market) से संबन्धित हानियों के लिए प्रावधानीकरण को फैलाने का विकल्प प्रदान कर दिया है। यह उपाय सरकारी प्रतिभूतियों (G-secs) के प्रतिफल में तीव्र वृद्धि को ध्यान में रखते हुये किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को प्रतिफलों मे संभावी वृद्धि से संरक्षित रखने के लिए वर्तमान वित्त वर्ष से निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि सृजित करने की सलाह भी दी है। जब तक कि वह व्यापार के लिए धारित या बिक्री के लिए उपलब्ध संविभाग से कम न हो, वर्ष के दौरान निवेशों की बिक्री पर निवल लाभ अथवा वर्ष के निवल लाभ घटाएँ अनिवार्य विनियोजन से हरगिज कमतर नहीं, एक रकम निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि (IFR) में अंतरित कर दी जानी चाहिए। जहां संभव हो, इसे तीन वर्ष की एक अवधि में प्राप्त किया जाना चाहिए।

बाँड़ों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के लिए कोई समय-सीमा नहीं

स्थानीय बांड बाजार में विदेशी निवेशकों की रुचि बनाए रखने के एक प्रयास में भारतीय रिजर्व बैंक ने उन्हें उनकी पसंद की किसी भी परिपक्वता में निवेश करने की अनुमति दे दी है। इससे वह पूर्ववर्ती प्रतिबंधात्मक खंड विलुप्त हो गया है जिससे उनके लिए ऐसे लिखत में निवेश करना आवश्यक होता था जिनकी परिपक्वता में कम से कम तीन वर्ष शेष हों। कारपोरेट बाँड़ों के मामले में न्यूनतम अवशिष्ट परिपक्वता तीन वर्ष से घटाकर एक वर्ष कर दी गई है।

श्रेष्ठ (Gilt) निधियों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की सीमा बढाई गई

भारतीय रिजर्व बैंक ने किसी भी श्रेष्ठ निधि में समग्र विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की सीमा 20% से बढ़ाकर 30% कर दी है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेश सीमाओं के लिए कोई नीलामी नहीं होगी, किन्तु उपयोग सीमाओं पर 1 जून के बाद आनलाइन निगरानी रखी जाएगी। तथापि, भारतीय रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि किसी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक या उसके सहयोगी को किसी कारपोरेट बांड निर्गम में 50% से अधिक का निवेश नहीं करना चाहिए तथा किसी एकल कारपोरेट में पोर्टफोलियो के 20% से अधिक का समावेश नहीं होना चाहिए।

विनियामकों के कथन

ऋण संविदाओं की पवित्रता वापस लाएँ

भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर श्री एन॰ एस॰ विश्वनाथन ने कहा है कि दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए संशोधित ढांचे का उद्देश्य बैंक ऋणों में अंतर्निहित पवित्रता को वापस लाना है। संशोधित ढाँचे में उस अंतरपणन को कम करने का प्रयास किया गया है जो वर्तमान में उधारकर्ताओं को पूंजी बाजारों से निधियाँ जुटाने की तुलना में बैंकों के माध्यम से निधियाँ जुटाने के समय प्राप्त होता है। विपदग्रस्त उधारकर्ताओं के समाधान के

संबंध मेँ एक ऐसे संकेंद्रित ढांचे जो ऋण संविदा की पवित्रता का सम्मान करता हो तथा उसे प्रवर्तित करता हो से यह सुनिश्चित करना अपेक्षित है कि पिछले ऋण चक्र के अतिक्रमणों की पुनरावृत्ति न हो।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को खुदरा ऋणों मेँ जोखिमों के संबंध मेँ चेतावनी

समस्याग्रस्त कारपोरेट ऋण बही को ध्यान मेँ रख कर बैंकरों के बीच खुदरा ऋण और वैयक्तिक ऋण खंड मे वृद्धि लाने के लिए विद्यमान भेड़ चाल पर टिप्पणी करते हुये भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर श्री एन॰ एस॰ विश्वनाथन ने उस क्षेत्र के जोखिमों पर भी ध्यान दिये जाने के बारे मेँ चेतावनी दी है। वे बैंकरों को उनकी कारपोरेट ऋण बहियों की समस्याओं के समाधान के लिए खुदरा ऋणों को रामबाण औषधि न समझने की सलाह भी देते हैं।

नयी नियुक्तियाँ

नाम	**पदनाम/संगठन**
श्री भानु प्रताप शर्मा	बैंक बोर्ड ब्यूरो (BBB) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त

विदेशी मुद्रा

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियाँ

मद	23 मार्च, 2018 के दिन बिलियन रुपए	23 मार्च, 2018 के दिन मिलियन अमरीकी डालर
कुल प्रारक्षित निधियाँ	27,934.90	4,23,582.80
(क) विदेशी मुद्रा आस्तियां	26,299.00	3,98,485.60
(ख) सोना	1,397.40	21,484.20
(ग) विशेष आहरण अधिकार	101.5	1,537.60

(घ) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	137	2,075.40

स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक

मई, 2018 माह के लिए लागू अनिवासी विदेशी मुद्रा (बैंक) की न्यूनतम दरें

विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों की आधार दरें

मुद्रा	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष
अमरीकी डालर	2.53600	2.73100	2.82500	2.87800	2.91000
जीबीपी	0.87600	1.0915	1.2233	1..3195	1.3921
यूरो	-0.25000	-0.132	0.053	0.242	0.411
जापानी येन	0.04750	0.071	0.091	0.098	0.120
कनाडाई डालर	2.13000	2.268	2.413	2.500	2.552
आस्ट्रेलियाई डालर	2.06300	2.160	2.290	2.560	2.660
स्विस फ्रैंक	-0.57750	-0.448	-0.272	-0.116	0.019
डैनिश क्रोन	-0.09920	0.0205	0.2054	0.3967	0.5712
न्यूजीलैंड डालर	2.12280	2.298	2.475	2.638	2.779
स्वीडिश क्रोन	-0.34900	-0.158	0.078	0.318	0.537
सिंगापुर डालर	1.82000	2.050	2.190	2.310	2.380
हांगकांग डालर	2.02000	2.410	2.610	2.720	2.800
म्यामार	3.78000	3.800	3.840	3.880	3.910

उत्पाद एवं गठजोड़

संगठन	**जिस संगठन के साथ गठजोड़ हुआ**	**उद्देश्य**
इंडियन बैंक	पब्लिक फाइनैन्सियल मैनेजमेंट सिस्टम	सरकारी एजेंसियों को भुगतान सेवाएँ आरंभ करने का लाभ पहुँचने के उद्देश्य से।

बैंक आफ बड़ौदा	भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ( )	ऋण सुपुर्दगी प्रणाली को सुदृढ़ बनाने तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों एवं नवागंतुकों को सहज, अडचन-रहित ऋण प्रवाह सुगम बनाने हेतु।
भारतीय स्टेट बैंक	चेन्नै मेट्रो	अनन्य रूप से चेन्नै मेट्रो के यात्रियों के लिए एसबीआई भुगतान एप की शुरुआत।

शब्दावली

निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि (IFR)

निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि अनपेक्षित घटनाओं के कारण भविष्य में ब्याज दर परिवेश में किसी संभाव्य बदलाव के समक्ष सुरक्षित रहने हेतु एक आरक्षित निधि होती है। इसमें प्रतिभूतियों में निवेशों की बिक्री से हुये अभिलाभ का समावेश होता है। निवेश संविभाग के मूल्यांकन पर अप्राप्त अभिलाभ को इस आरक्षित निधि में नहीं लिया जाना चाहिए।

वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी

मानक विचलन

मानक विचलन कीमत-लागत अंतर (spread) अथवा आंकड़ों के एक समुच्चय का बिखराव होता है। इसकी गणना प्रसरण का वर्गमूल निकाल कर की जाती है। मूल्य जितनी अधिक व्यापकता से बिखरे होते हैं, मानक विचलन उतना ही अधिक होता है।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

मई -जून 2018 माह के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम का नाम	तिथियाँ	स्थल
प्रमाणित ऋण व्यावसायिक	17 से 19 मई, 2018 तक	दिल्ली
	21 से 23 मई, 2018 तक	मुंबई
	31 मई से 02 जून, 2018 तक	हैदराबाद
	23 से 25 मई, 2018 तक	चेन्नै
	14 से 16 मई, 2018 तक	त्रिचूर
	16 से 18 मई, 2018 तक	प्रौद्योगिकी पर आधारित
	30 मई से 1 जून, 2018 तक	प्रौद्योगिकी पर आधारित
प्रमाणित खजाना व्यापारी	18 से 20 मई, 2018 तक	मुंबई
वित्तीय सेवाओं में जोखिम में प्रमाणपत्र	22 से 24 मई, 2018 तक	प्रौद्योगिकी पर आधारित
	28 से 30 मई, 2018 तक	दिल्ली
डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय समावेशन	28 से 30 मई, 2018 तक	चेन्नै

संस्थान समाचार

बैंकों में क्षमता निर्माण

भारतीय रिजर्व बैंक ने 11 अगस्त, 2016 की अपनी अधिसूचना के द्वारा यह अनिवार्य कर दिया है कि प्रत्येक बैंक के पास परिचालन के प्रमुख क्षेत्रों में उपयुक्त योग्यता/प्रमाणन सहित कर्मचारियों को परिनियोजित करने के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित एक नीति होनी चाहिए। प्रारम्भिक तौर पर उन्होंने निम्नलिखित क्षेत्र अभिज्ञात किया है :

खजाना प्रबंधन : व्यापारी, मिड आफिस परिचालन।
जोखिम प्रबंधन : ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम, उद्यम-व्यापी जोखिम, सूचना सुरक्षा, चलनिधि जोखिम।
लेखांकन – वित्तीय परिणाम तैयार करना, लेखा-परीक्षा कार्य।
ऋण प्रबंधन : ऋण मूल्यांकन, श्रेणी-निर्धारण, निगरानी, ऋण संचालन।

कालांतर में भारतीय रिजर्व बैंक के निदेश पर भारतीय बैंक संघ ने उपयुक्त संस्थाओं एवं ऐसे पाठ्यक्रमों की पहचान के लिए एक विशेषज्ञ दल का गठन किया था, जो आवश्यक प्रमाणन प्रदान कर सकें। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैंस उनमें से एक तथा एकमात्र ऐसी संस्था है जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अभिज्ञात चार में से तीन क्षेत्रों में उक्त प्रमाणन प्रदान करती है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंक संघ को संबोधित तथा प्रति इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैंस को पृष्ठांकित दिनांक 31 मई, 2017 के अपने पत्र के तहत यह कहा है कि भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ के सहयोग से इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स द्वारा उपलब्ध कराया जाने वाला विदेशी मुद्रा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम ऐसे सभी बैंक कर्मचारियों, जो खजाना परिचालन सहित विदेशी मुद्रा परिचालन के क्षेत्र में कार्यरत है या कार्य करने के इच्छुक हैं, के लिए एक अनिवार्य प्रमाणन होगा।

संस्थान द्वारा खजाना परिचालन, जोखिम प्रबंधन और ऋण प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्ध कराये जाने वाले पाठ्यक्रम आनलाइन परीक्षा के साथ प्रकृति की दृष्टि से मिश्रित हैं जिसके बाद उनमें
ऐसे अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिन्होंने आनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली है। परीक्षा हेतु पंजीकरण और अधिक विवरण के लिए वेबसाइट www.iibf.org.in.देखें।

चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग, यू. के. के साथ पारस्परिक मान्यता करार

संस्थान को चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग, यू॰ के॰ के साथ पारस्परिक मान्यता करार हस्ताक्षरित होने की घोषणा करते हुये प्रसन्नता होती है। इस करार के अधीन भारत स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकर्स के प्रमाणित सहयोगी (CAIIB) अपनी अर्हताओं को चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट द्वारा मान्यता दिलवाएँगे तथा वे संस्थान के व्यावसायिकता, आचारशास्त्र एवं विनियम माड्यूल का अध्ययन करके और परावर्तक दायित्व को सफलतापूर्वक पूरा करके चार्टर्ड बैंकर बनने में समर्थ होंगे।

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के साथ समझौता ज्ञापन

संस्थान ने सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्यमों के लिए प्रमाणित ऋण परामर्शी (CCC) कार्यक्रम को आगे

बढ़ाने के लिए 11 जुलाई, 2017 को भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) के साथ एक भागीदारी
करार किया। प्रमाणित ऋण परामर्शी बनने के इच्छुक पात्र अभ्यर्थियों को इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स द्वारा संचालित सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्यमों पर एक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।
उक्त परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर लेने पर तथा उसके बाद भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक द्वारा संचालित समुचित सावधानी जांच पूरी कर लेने के बाद अभ्यर्थी को प्रमाणित ऋण परामर्शी के रूप में
एक प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए नयी पाठ्यसामग्री

संस्थान ने 29 अप्रैल, 2017 को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए अपनी नयी पाठ्यसामग्री की शुरुआत की। उक्त पुस्तक बैंकिंग भ्रातृसंध के उद्योग विशेषज्ञों द्वारा जारी की गई। इस विषय पर
पहली परीक्षा जनवरी, 2018 में आयोजित की जाएगी।

प्रौद्योगिकी पर आधारित कक्षा में समाधान

संस्थान ने प्रौद्योगिकी पर आधारित कक्षा वाली विधि के माध्यम से प्रशिक्षण संचालित करने हेतु एक साफ्टवेयर अभिगृहीत किया है। यह साफ्टवेयर गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी लाये बिना संस्थान को प्रशिक्षार्थियों की काफी बड़ी संख्या तक प्रशिक्षण सामग्री प्रसारित करने में समर्थ बनाएगा। वित्तीय सेवाओं में जोखिम में प्रौद्योगिकी पर आधारित प्रशिक्षण भी आरंभ कर दिया गया है। अधिक विवरण के लिए हमारी वेबसाइट www.iibf.org.in देखें।

परीक्षा के लिए छद्म जांच सुविधा

संस्थान अपने प्रमुख पाठ्यक्रमों यथा जेएआईआईबी और सीएआईआईबी के अलावा अपने तीन विशिष्टीकृत पाठ्यक्रमों नामत: प्रमाणित खजाना व्यावसायिक, प्रमाणित ऋण व्यावसायिक तथा वित्तीय सेवाओं में जोखिम के लिए छद्म जक्ष्च की सुविधा प्रदान कर रहा है। अब छद्म जक्ष्च में किसी भी बैंक का कर्मचारी शामिल हो सकता है।

वीडियो व्याख्यान अब यूट्यूब पर उपलब्ध

संस्थान द्वारा जेएआईआईबी के तीन अनिवार्य प्रश्नपत्रों और सीएआईआईबी के दो अनिवार्य प्रश्नपत्रों के लिए प्रदान की जाने वाली वीडियो व्याख्यान की सुविधा संस्थान के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध होगी। उसके लिए लिंक है https:/ www.youtube.com/channel/UCjfflktvEh8yLb3vwxosGow/playlists"

मुंबई और कोलकाता स्थित संस्थान के स्वयं अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएँ

वर्तमान में संस्थान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME), ग्राहक सेवा और धन-शोधन निवारण/आतंकवाद के वित्तीयन का मुक़ाबला नामक अपने तीन पाठ्यक्रमों के लिए प्रत्येक महीने के दूसरे और चौथे शनिवारों को मुंबई एवं कोलकाता स्थित स्वयं अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएँ आयोजित करता है। जून से लेकर अगस्त तक आयोजित की जाने वाली इन परीक्षाओं के लिए अनलाइन पंजीकरण 8 मई, 2017 से आरंभ हो रहा है। अभ्यर्थीगण अपनी पसंद की परीक्षा की तिथि एवं केंद्र का चयन कर सकते हैं। पंजीकरण पहले आए, पहले पाये के आधार पर होगा। उपर्युक्त पाठ्यक्रमों की परीक्षा का कार्यक्रम हमारी वेबसाइट www.iibf.org.in.पर उपलब्ध है।

आगामी अंकों के लिए बैंक क्वेस्ट की विषय-वस्तुएं

बैंक क्वेस्ट के अप्रैल - जून, 2018 के अंक के लिए निर्धारित विषय-वस्तु है "अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग" और जुलाई -सितंबर, 2018 के अंक के लिए "जोखिम प्रबंधन"। सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के तिमाही जर्नल में प्रकाशन हेतु आलेख भेज कर योगदान करें।

परीक्षाओं के लिए दिशानिर्देशों /महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान में इस बात की जांच करने के उद्देश्य से कि अभ्यर्थी अपने –आपको वर्तमान घटनाओं से अवगत रखते हैं या नहीं प्रत्येक परीक्षा में कुछ प्रश्न हाल की घटनाओं/ विनियामक/कों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के बारे में पूछे जाने की परंपरा है। हालांकि, घटनाओं/दिशानिर्देशों में प्रश्नपत्र तैयार किए जाने की तिथि से और वास्तविक परीक्षा तिथि के बीच की अवधि में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इन मुद्दों का प्रभावी रीति से निराकरण करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि :

(i) संस्थान द्वारा फरवरी, 2017 से जुलाई, 2017 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 31 दिसंबर, 2016 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

(ii) संस्थान द्वारा अगस्त, 2017 से जनवरी, 2018 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों
और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 30 जून, 2017 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

नई पहलकदमी

सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास मौजूद उनके ई-मेल पते अद्यतन करा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दे।

आईआईबीएफ विजन के स्वामित्व और अन्य विवरणों से संबन्धित वर्णन
इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स का जर्नल

1. प्रकाशन स्थल	: मुंबई
2. प्रकाशन की आवधिकता	: मासिक
3. प्रकाशक का नाम	: डा॰ जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070
4. संपाद्क का नाम	: डा॰ जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070

5 प्रिन्टिंग प्रेस का नाम : आनलुकर प्रेस, 16 सासून डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 005

6. स्वामियों के नाम एवं पता : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070

मैं, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र, एतदद्वारा यह घोषणा करता हूं कि ऊपर दिये गए विवरण मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

31-03-2017 डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र
प्रकाशक के हस्ताक्षर

समाचार पंजीयक के पास आरएनआई संख्या 6922८/1998 के अधीन पंजीकृत

बाजार की ख़बरें

भारित औसत मांग दरें

6
5.9
5.8
5.7
5.6
5.5
5.4

नवंबर, 2017, दिसंबर, 2017, जनवरी, 2018, फरवरी, 2018, मार्च, 2018, अप्रैल, 2018
स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम न्यूज़लेटर, अप्रैल, 2018

भारतीय रिजर्व बैंक की संदर्भ दर

95
90

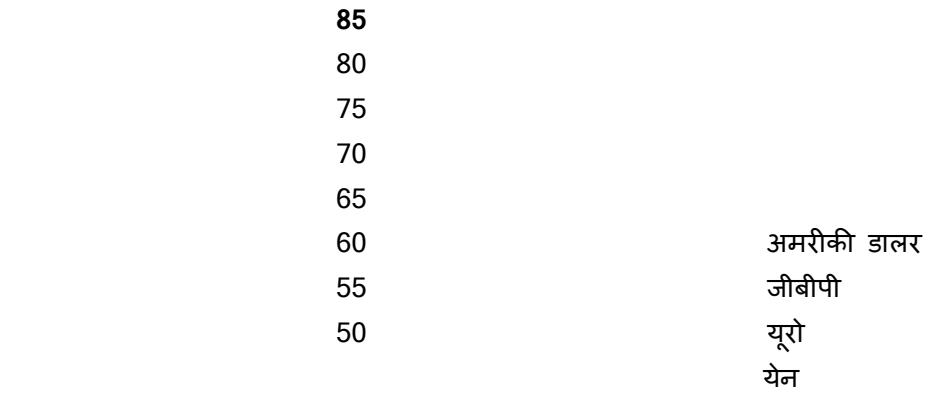

खाद्येतर ऋण वृद्धि %

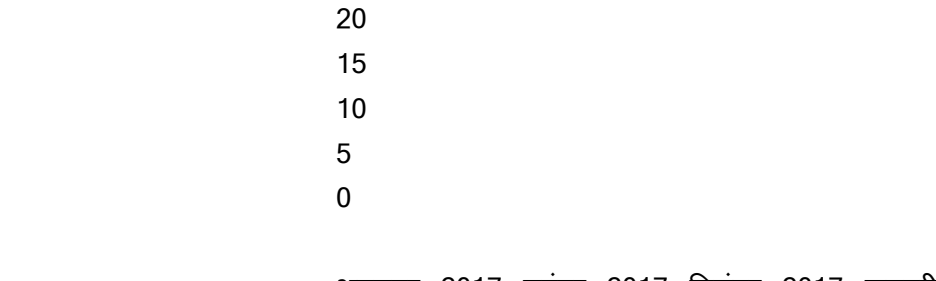

बंबई शेयर बाजार सूचकांक

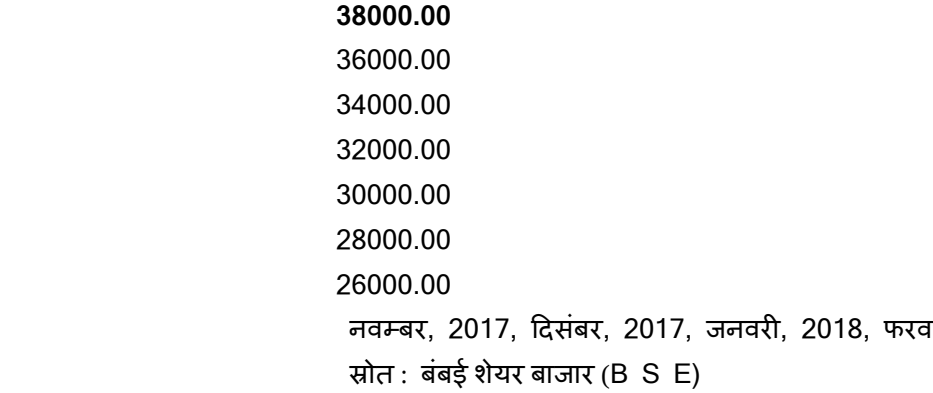

समग्र जमा वृद्धि %

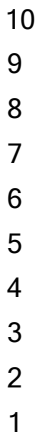

अक्तूबर, 2017, नवंबर, 2017, दिसंबर, 2017, जनवरी, 2018, फरवरी, 2018, मार्च, 2018
स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, अप्रैल,, 2018

डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा मुद्रित, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स की ओर से प्रकाशित तथा आनलुकर प्रेस, 16 सासुन डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 018 में मुद्रित एवं इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम),,मुंबई – 400 070 से प्रकाशित।
संपादक : डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र

इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल,
किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम), ,मुंबई – 400 070
टेलीफोन : 91-22-2503 9604/ 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332
तार : INSTIEXAM ई-मेल : admin@iibf.org.in.
वेबसाइट : www.iibf.org.in.